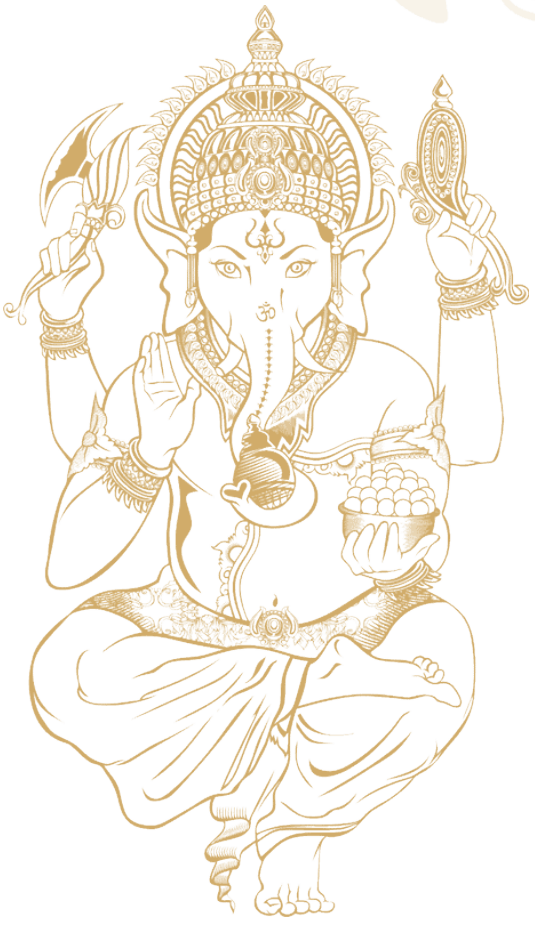

Mr. Akshat

Ms. Sakshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120398902

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
31/10/1997 :	जन्म तिथि	: 04/02/1996
शुक्रवार :	दिन	: रविवार
घंटे 19:02:00 :	जन्म समय	: 10:15:00 घंटे
घटी 31:36:26 :	जन्म समय(घटी)	: 08:09:40 घटी
India :	देश	: India
Bareilly :	स्थान	: Meerut
28:20:00 उत्तर :	अक्षांश	: 29:00:00 उत्तर
79:24:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:42:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:12:24 :	स्थानिक संस्कार	: -00:19:12 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:23:25 :	सूर्योदय	: 07:06:56
17:28:28 :	सूर्यास्त	: 17:59:30
23:49:31 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:48:17

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 5वर्ष 4मा 28दि		12:30:24	वृष	लग्न	मीन	24:06:05	शनि 1वर्ष 4मा 24दि	
शनि		14:20:19	तुला	सूर्य	मक	20:50:29	शुक्र	
31/03/2019		15:59:28	तुला	चंद्र	कर्क	15:41:05	29/06/2021	
31/03/2038		29:42:02	वृश्चि	मंगल	मक	27:15:45	29/06/2041	
शनि	03/04/2022	25:19:59	तुला	बुध	धनु	26:37:36	शुक्र	29/10/2024
बुध	11/12/2024	19:09:31	मक	गुरु	धनु	13:06:46	सूर्य	29/10/2025
केतु	20/01/2026	01:15:56	धनु	शुक्र	मीन	00:21:40	चन्द्र	30/06/2027
शुक्र	21/03/2029	21:27:48	मीन व	शनि	कुंभ	28:37:41	मंगल	29/08/2028
सूर्य	03/03/2030	24:55:05	सिंह व	राहु व	कन्या	25:31:00	राहु	29/08/2031
चन्द्र	03/10/2031	24:55:05	कुंभ व	केतु व	मीन	25:31:00	गुरु	29/04/2034
मंगल	10/11/2032	11:02:09	मक	हर्ष	मक	07:32:14	शनि	29/06/2037
राहु	17/09/2035	03:29:45	मक	नेप	मक	02:09:26	बुध	29/04/2040
गुरु	31/03/2038	10:36:21	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	09:02:10	केतु	29/06/2041

लग्न-चलित

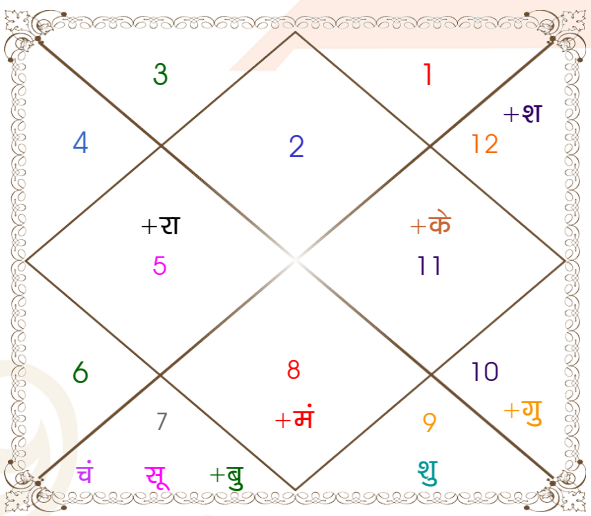

लग्न-चलित

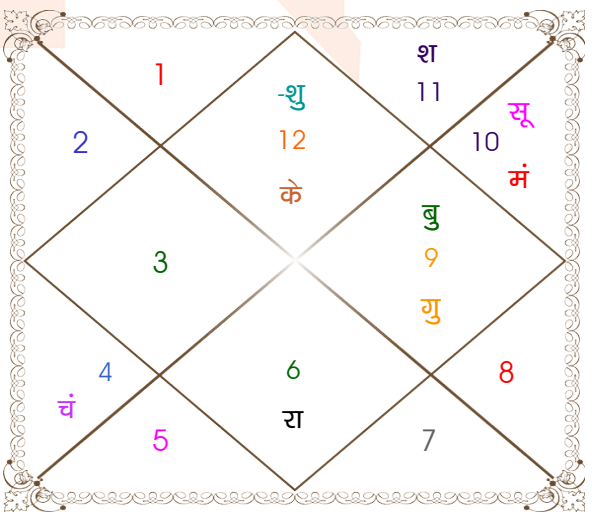

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

डतण ोींज का वर्ग मृग है तथा Ms. Sakshi का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण ोींज और Ms. Sakshi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण ोींज मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण ोींज कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. Sakshi मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms. Sakshi कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. Sakshi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण ोींज तथा Ms. Sakshi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।